हिग्स बोसॉनः अभी हाज़िर, अभी गायब

कुछ समय पहले स्विटज़रलैण्ड के लार्ज हेड्रॉन कोलाइडर (एलएचसी) से खबर 'लीक' हुई थी कि वहां चल रहे प्रयोग में हिग्स बोसॉन 'देखा' गया है। दरअसल, एलएचसी में एक प्रयोग हिग्स बोसॉन को खोजने का ही चल रहा है।

भौतिकी के स्टैण्डर्ड मॉडल के मुताबिक हिग्स बोसॉन वह कण है जो बाकी सारे कणों को उनका द्रव्यमान प्रदान करता है मगर इसे आज तक देखा नहीं गया है। इसकी खोज स्टैण्डर्ड मॉडल को पूरा करने के लिए बहुत ज़रूरी है।

एलएचसी के एक डिटेक्टर एटलस से सम्बद्ध वैज्ञानिकों ने पाया कि उनके आंकड़ों में कुछ गड़बड़ी है जो संभवतः हिग्स बोसॉन कण के दो फोटॉन्स में विघटित होने के कारण आई है। इस गड़बड़ी को उन्होंने हिग्स बोसॉन की उपस्थिति का प्रमाण माना। इस बात को लेकर रोमांच इतना ज़्यादा था कि पूरा विचार-विमर्श होने से पहले ही इसे लीक कर दिया गया।

अब एलएचसी के ही एक अन्य डिटेक्टर सीएमएस से सम्बद्ध वैज्ञानिकों ने अपने आंकड़ों की जांच के आधार पर बताया है कि ऐसी कोई 'गड़बड़ी' देखने में नहीं आई है।

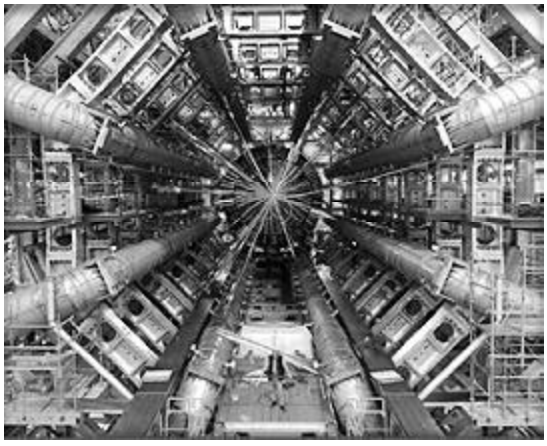

तो शायद एटलस में उत्पन्न हुई गड़बड़ी हिग्स बोसॉन के कारण नहीं बल्कि किसी अन्य वजह से होगी। संभवतः आंकड़ों के विश्लेषण में कोई त्रुटि ही इसकी वजह है।

वैसे प्रयोगशाला ने आधिकारिक रूप से कोई दस्तावेज़ सार्वजनिक नहीं किए हैं। अर्थात एटलस व सीएमएस दोनों से लीक हुए दस्तावेज़ों को इस प्रयोग से जुड़े रोमांच की अभिव्यक्ति माना जाना चाहिए। आगे भी शायद ऐसी 'खबरें' आती रहेंगी। ***(स्रोत फीचर्स)***